Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-2 : यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

भाग-1

सामाजिक परिवर्तन का युग

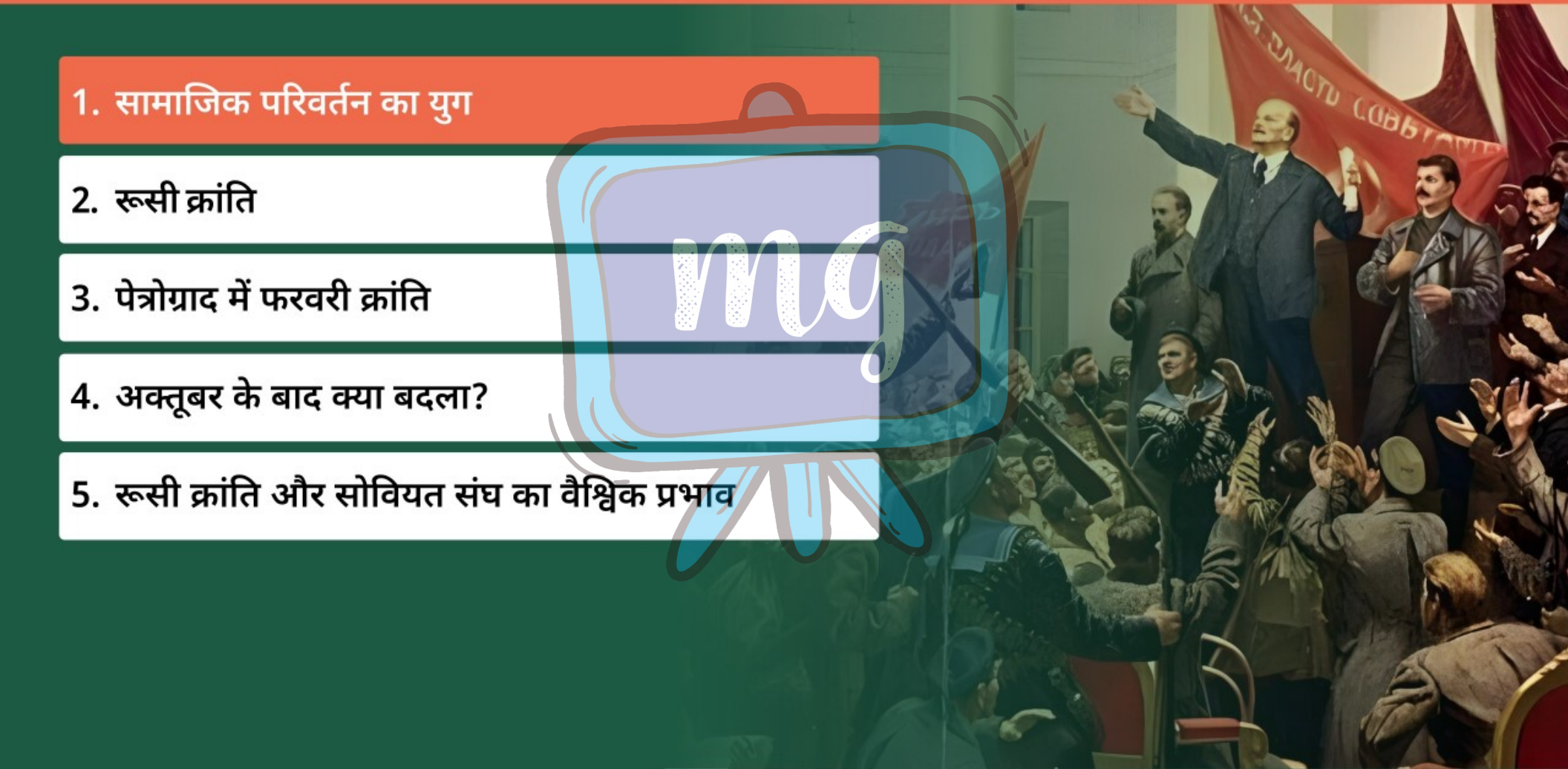
निर्मल सिंह



Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. सामाजिक परिवर्तन का युग
2. रूसी क्रांति
3. पेत्रोग्राद में फरवरी क्रांति
4. अक्तूबर के बाद क्या बदला?
5. रूसी क्रांति और सोवियत संघ का वैश्विक प्रभाव

Under CSR Support by ipca | Foundation

योग्यता आधारित शिक्षण (Competency)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

उदारवादी, रैडिकल और रूढ़िवादी विचारधारा

यूरोप में समाजवाद



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक परिवर्तन का युग

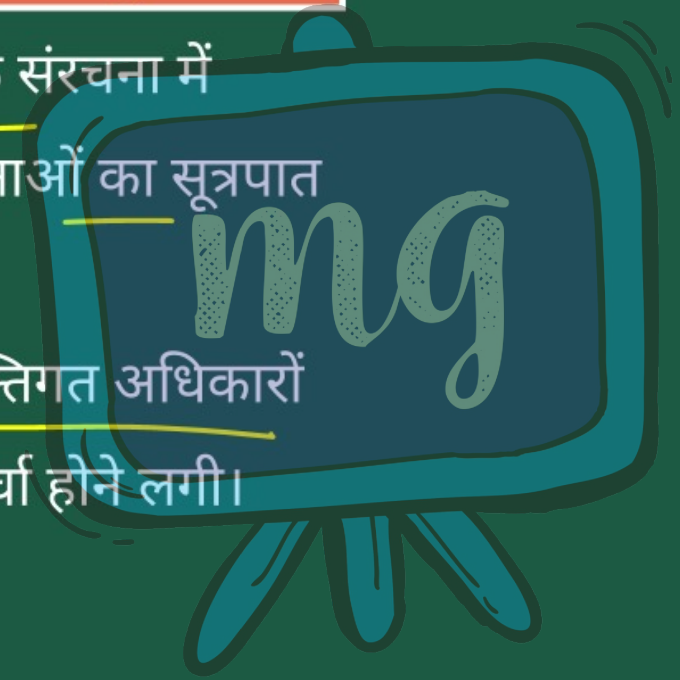


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

सामाजिक परिवर्तन का युग

- फ्रांसीसी क्रांति ने सामाजिक संरचना में आमूल परिवर्तन की संभावनाओं का सूत्रपात किया।
- फ्रांसीसी क्रांति के बाद व्यक्तिगत अधिकारों और सामाजिक सत्ता पर चर्चा होने लगी।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ भारत में फ्रांसीसी क्रांति के महत्व का उल्लेख किया-



राजा राममोहन रॉय

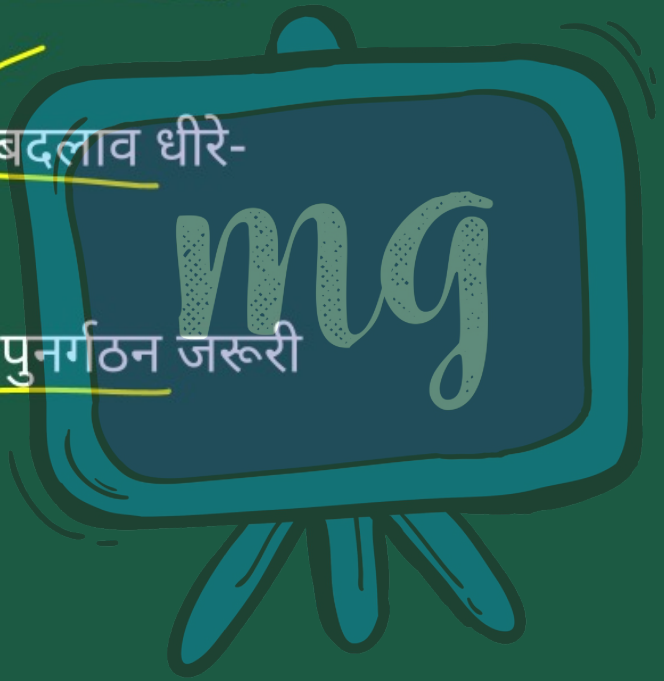


डेरोज़ियो

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- मगर यूरोप में सभी लोग आमूल सामाजिक परिवर्तन के पक्ष में नहीं थे।
- बहुत सारे लोग चाहते थे की बदलाव धीरे-धीरे हो।
- एक खेमा समाज का आमूल पुनर्गठन जरूरी मानता था।

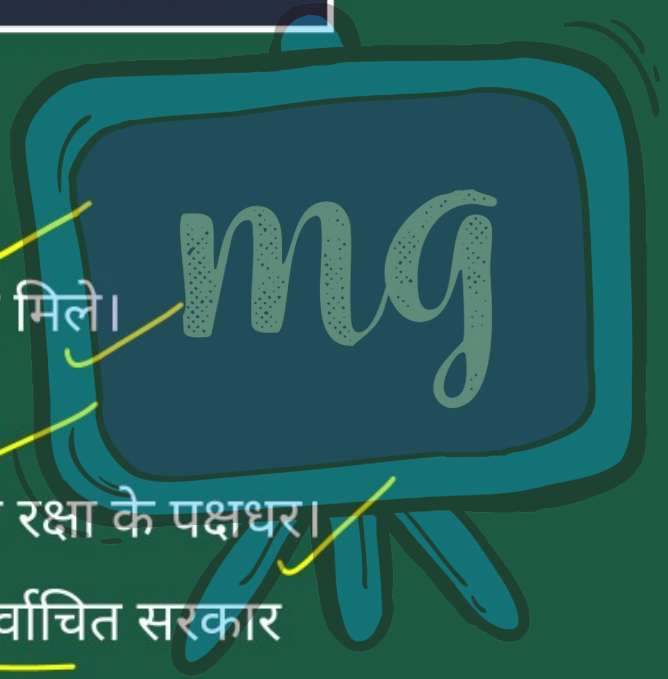


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उदारवादी, रैडिकल और रूढ़िवादी

उदारवादी



- समाज परिवर्तन के समर्थक।
- सभी धर्मों को बराबर सम्मान मिले।
- अनियंत्रित सत्ता के विरोधी।
- व्यक्ति मात्र के अधिकारों की रक्षा के पक्षधर।
- प्रतिनिधित्व पर आधारित निर्वाचित सरकार के पक्षधर।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- सुप्रशिक्षित न्यायापालिका द्वारा स्थापित कानूनों द्वारा शासन कार्य।
- लोकतंत्रवादी नहीं।
- सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के पक्ष में नहीं थे।
- सम्पत्तिधारियों को वोट का अधिकार के पक्षधर।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

रैडिकल

- बहुमत आधारित सरकार के पक्षधर थे।
- इनमें बहुत से लोग महिला मताधिकार आंदोलन के समर्थक थे ।
- बड़े जमींदारों और सम्पन्न उद्योगपतियों को प्राप्त विशेषाधिकारो के खिलाफ थे।
- सम्पत्ति के संकेंद्रण का विरोध लेकिन निजी सम्पत्ति के विरोधी नहीं।

मताधिकार आंदोलन : वोट डालने का अधिकार पाने के लिए चलाया गया आंदोलन।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

रूढिवादी

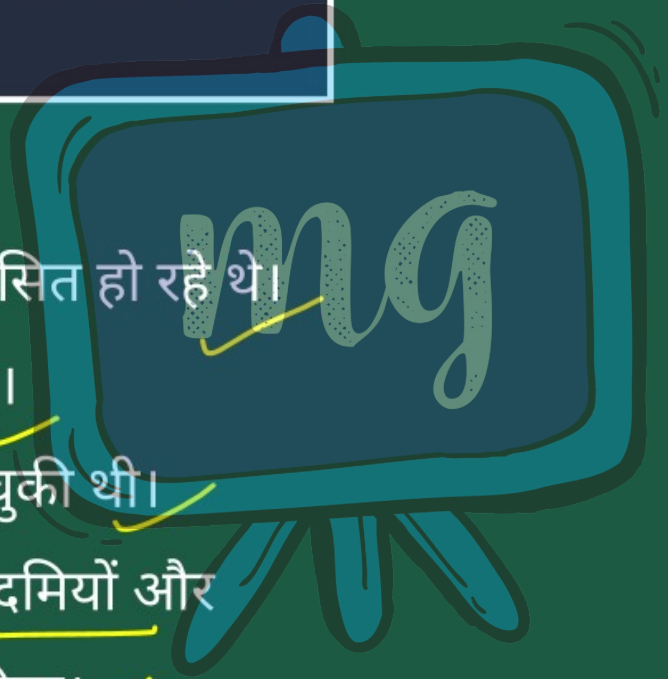
- रैडिकल और उदारवादी दोनों के खिलाफ।
- अठारवीं शताब्दी में रूढ़िवादी परिवर्तन के विचारों के विरोधी थे।
- उन्नीसवीं सदी तक वे भी परिवर्तन को आवश्यक मानने लगे।
- अतीत का सम्मान।
- बदलाव की प्रक्रिया धीमी हो।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

औद्योगिक समाज और सामाजिक परिवर्तन

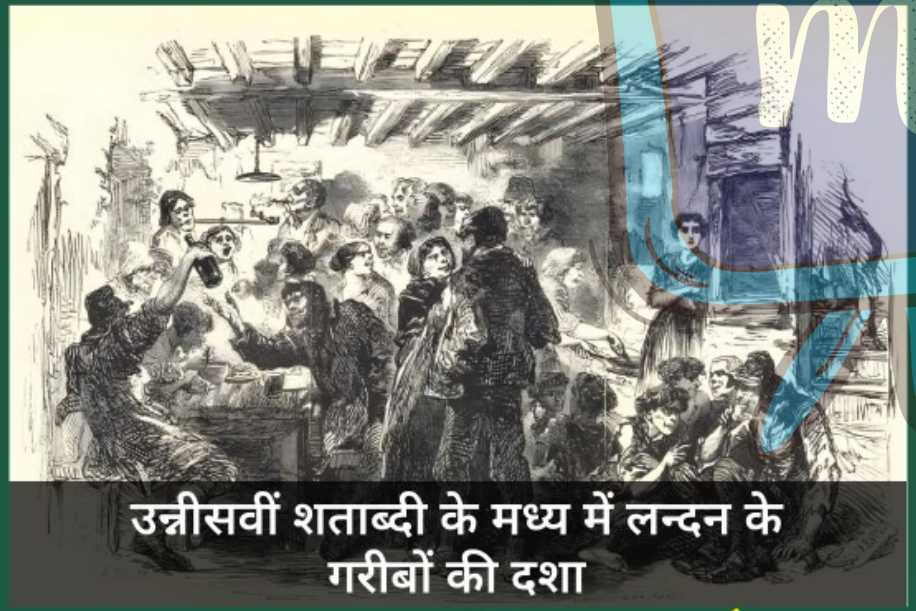


- नए शहर बस रहे थे।
- नए-नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित हो रहे थे।
- रेलवे का विस्तार हो चुका था।
- औद्योगिक क्रांति सम्पन्न हो चुकी थी।
- औद्योगीकरण ने औरतों- आदमियों और बच्चों को कारखाने में लगा दिया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- काम के घंटे अधिक थे।
- मजदूरी कम मिलती थी।
- बेरोजगारी आम समस्या थी।



उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में लन्दन के गरीबों की दशा

Under CSR Support by ipca | Foundation

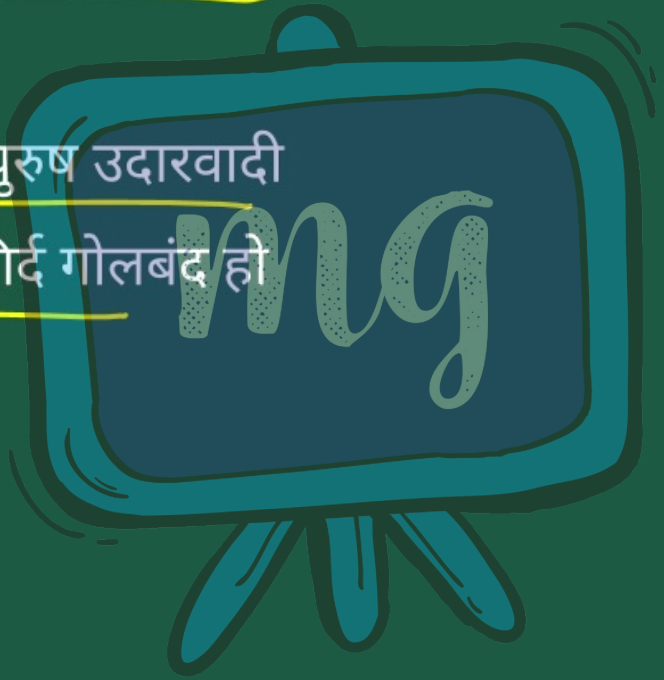
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- उदारवादी और रैडिकल दोनों ही इन समस्याओं का हल खोजने की कोशिश कर रहे थे।
- बहुत सारे रैडिकल और उदारवादियों के पास भी काफी सम्पत्ति थी।
- उन्होंने व्यापार या औद्योगिक व्यवसायों के जरिए धन-दौलत इकट्ठा की थी।
- ये लोग जन्मजात मिलने वाले विशेषाधिकारों के विरुद्ध थे।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

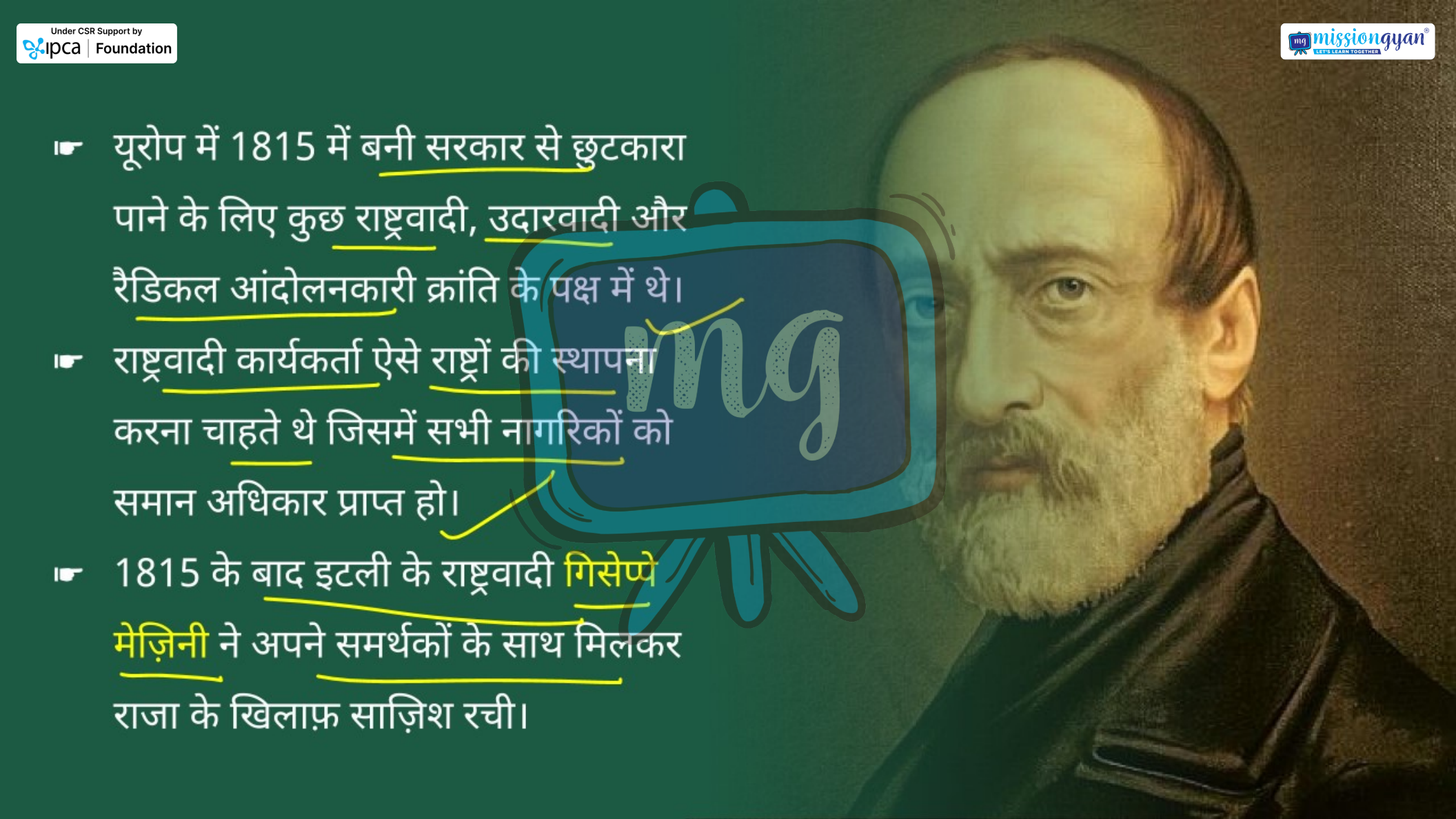
- व्यक्तिगत प्रयास, श्रम और उद्यमशीलता में उनका गहरा विश्वास था।
- इसी कारण कामकाजी स्त्री-पुरुष उदारवादी और रैडिकल समूहों के इर्द-गिर्द गोलबंद हो गए थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यूरोप में 1815 में बनी सरकार से छुटकारा पाने के लिए कुछ राष्ट्रवादी, उदारवादी और रैडिकल आंदोलनकारी क्रांति के पक्ष में थे।
- राष्ट्रवादी कार्यकर्ता ऐसे राष्ट्रों की स्थापना करना चाहते थे जिसमें सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हो।
- 1815 के बाद इटली के राष्ट्रवादी गिसेप्पे मेज़िनी ने अपने समर्थकों के साथ मिलकर राजा के खिलाफ़ साज़िश रची।

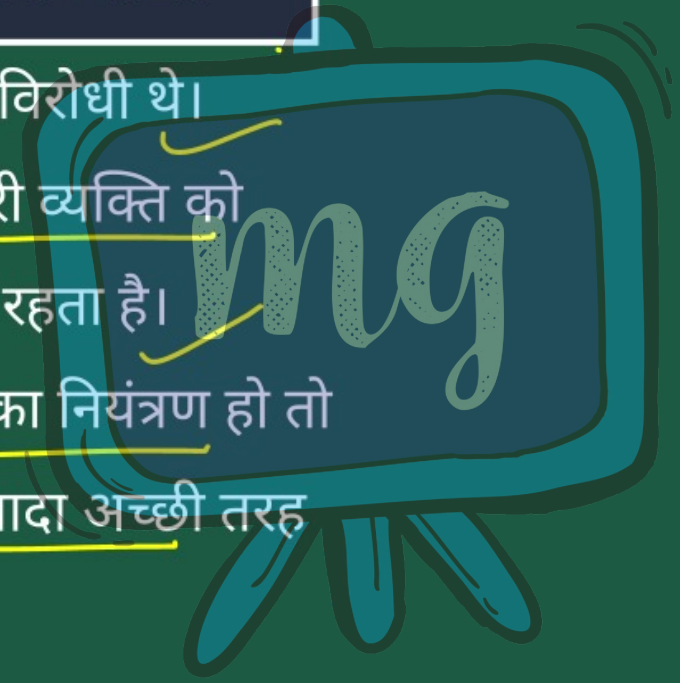


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

यूरोप में समाजवाद का आना

- समाजवादी निजी सम्पत्ति के विरोधी थे।
- उनका तर्क था कि सम्पत्तिधारी व्यक्ति को सिर्फ अपने फायदे से मतलब रहता है।
- अगर सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण हो तो साझा सामाजिक हितों पर ज़्यादा अच्छी तरह ध्यान दिया जा सकता है।

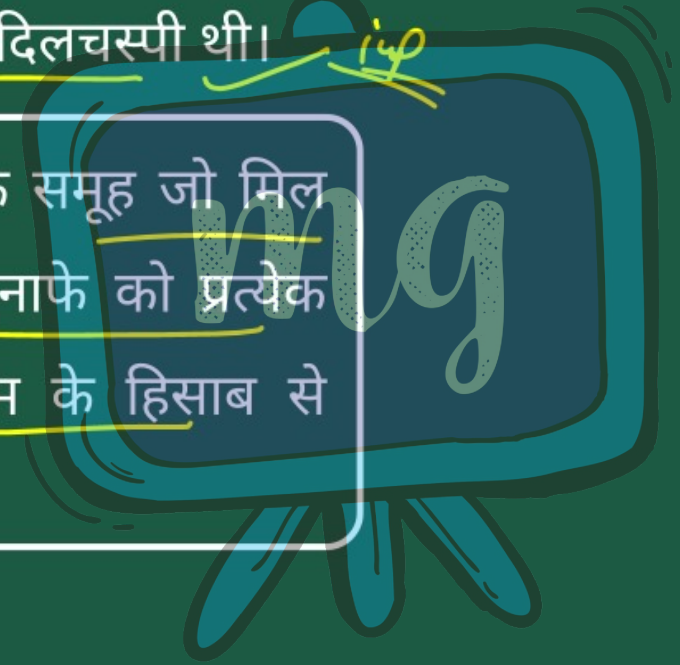


Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ कुछ समाजवादियों को कोऑपरेटिव यानी सामूहिक उद्यम के विचार में दिलचस्पी थी।

कोऑपरेटिव : ऐसे लोगों के समूह जो मिल कर चीज़ें बनाते थे और मुनाफे को प्रत्येक सदस्य द्वारा किए गए काम के हिसाब से आपस में बाँट लेते थे।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

रॉबर्ट ओवेन (1771-1858)

- इग्लैंड के उद्योगपति
- इंडियाना (अमेरिका) में नया समन्वय (New Harmony) समुदाय की रचना का प्रयास।

लुई ब्लांक (1813-1882)

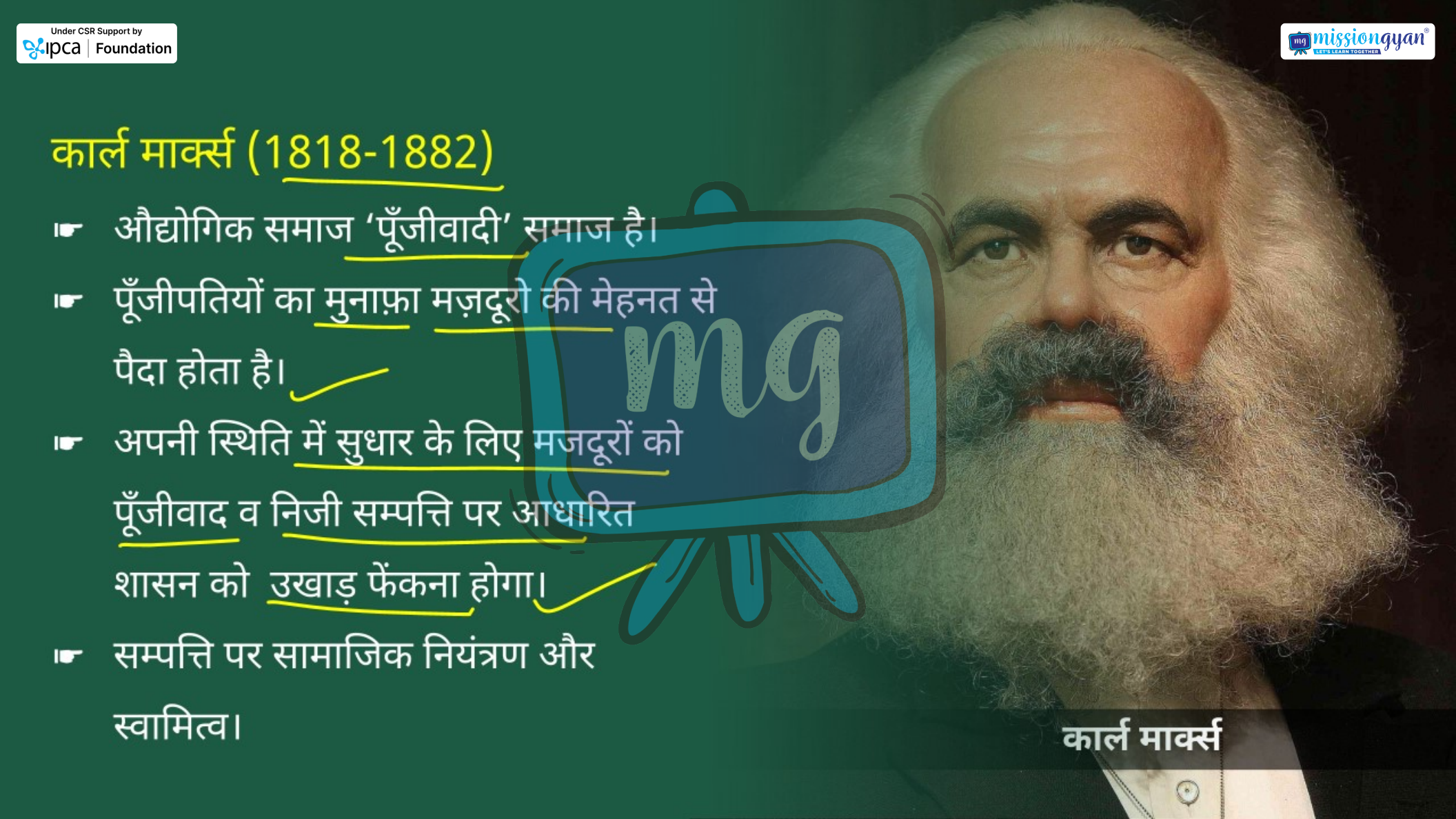
- फ्रांस
- सरकार द्वारा सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कार्ल मार्क्स (1818-1882)

- औद्योगिक समाज 'पूँजीवादी' समाज है।
- पूँजीपतियों का मुनाफ़ा मज़दूरो की मेहनत से पैदा होता है।
- अपनी स्थिति में सुधार के लिए मजदूरों को पूँजीवाद व निजी सम्पत्ति पर आधारित शासन को उखाड़ फेंकना होगा।
- सम्पत्ति पर सामाजिक नियंत्रण और स्वामित्व।



कार्ल मार्क्स

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

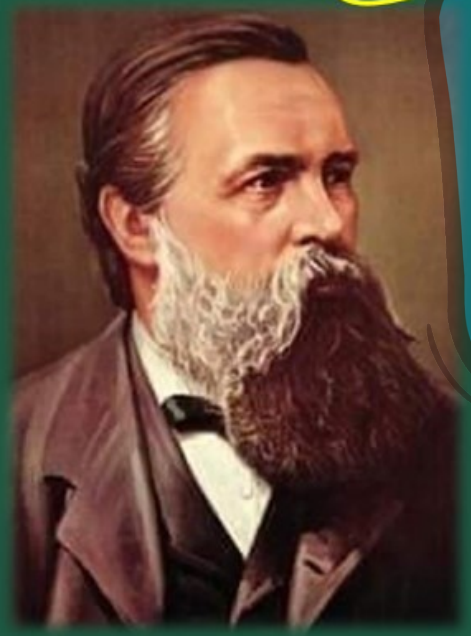
- उन्होंने भविष्य के इस समाज को साम्यवादी (कम्युनिस्ट) समाज का नाम दिया।
- कम्युनिस्ट समाज ही भविष्य का समाज होगा।
- पूंजीपतियों के साथ होने वाले संघर्ष में जीत अंततः मजदूरों की ही होगी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

☛ फ़्रेडरिक एंगेल्स (1820-1895) ने भी इस दिशा में कई नए तर्क पेश किए।

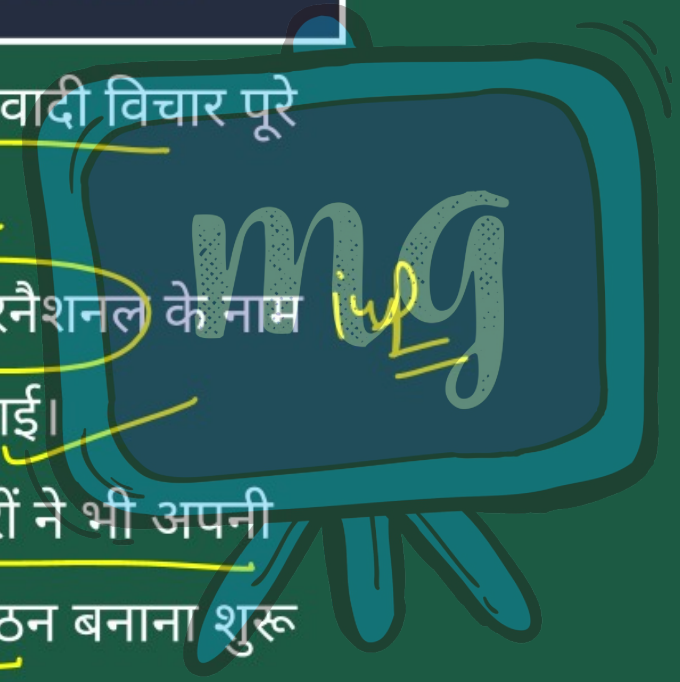


फ़्रेडरिक एंगेल्स

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

समाजवाद के लिए समर्थन



- 1870 के दशक तक समाजवादी विचार पूरे यूरोप में फैल चुके थे।
- समाजवादियों ने द्वितीय इंटरनैशनल के नाम से एक अंतर्राष्ट्रीय संस्था बनाई।
- इंग्लैंड और जर्मनी के मजदूरों ने भी अपनी स्थिति में सुधार के लिए संगठन बनाना शुरू किया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

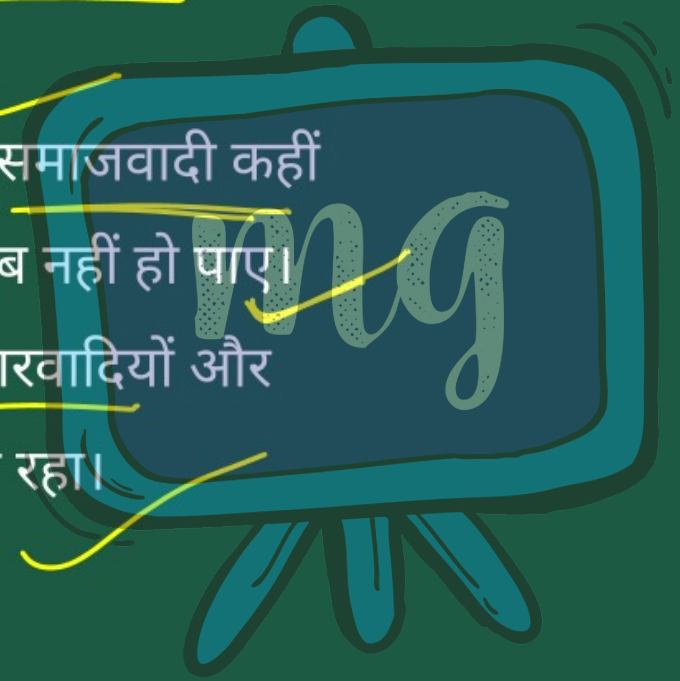
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- काम के घंटों में कमी तथा मताधिकार के लिए आवाज़ उठाना शुरू कर दिया।
- जर्मनी में सोशल डेमोक्रैटिक पार्टी (एसपीडी) के साथ इन संगठनों के काफी रिश्ते थे।
- 1905 तक ब्रिटेन के समाजवादियों और ट्रेड यूनियन आंदोलनकारियों ने लेबर पार्टी के नाम से एक अलग पार्टी बना ली थी।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- फ्रांस में भी सोशलिस्ट पार्टी के नाम से ऐसी ही एक पार्टी का गठन हुआ।
- लेकिन 1914 तक यूरोप में समाजवादी कहीं भी सरकार बनाने में कामयाब नहीं हो पाए।
- सरकारों में रूढ़िवादियों, उदारवादियों और रेडिकलों का ही दबदबा बना रहा।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- यह पेरिस कम्यून, 1871 का एक चित्र है।
- इसमें मार्च और मई 1871 के बीच हुए जनविद्रोह को दर्शाया गया है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पेरिस की नगर परिषद् (कम्यून) पर मजदूरों, आम लोगों, पेशेवरों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को लेकर बनायी गयी 'जन सरकार' ने कब्जा कर लिया।
- दुनिया भर के समाजवादियों ने समाजवादी क्रांति की पूर्वपीठिका के रूप में इसका जमकर जश्न मनाया।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- पेरिस कम्यून को दो और चीजों की वजह से आज भी याद रखा जाता है।

1. मजदूरों के लाल झण्डे का उदय।

- कम्युनार्डों (क्रांतिकारियों) ने अपने लिए यही झण्डा चुना था।

2. मार्सेयेस

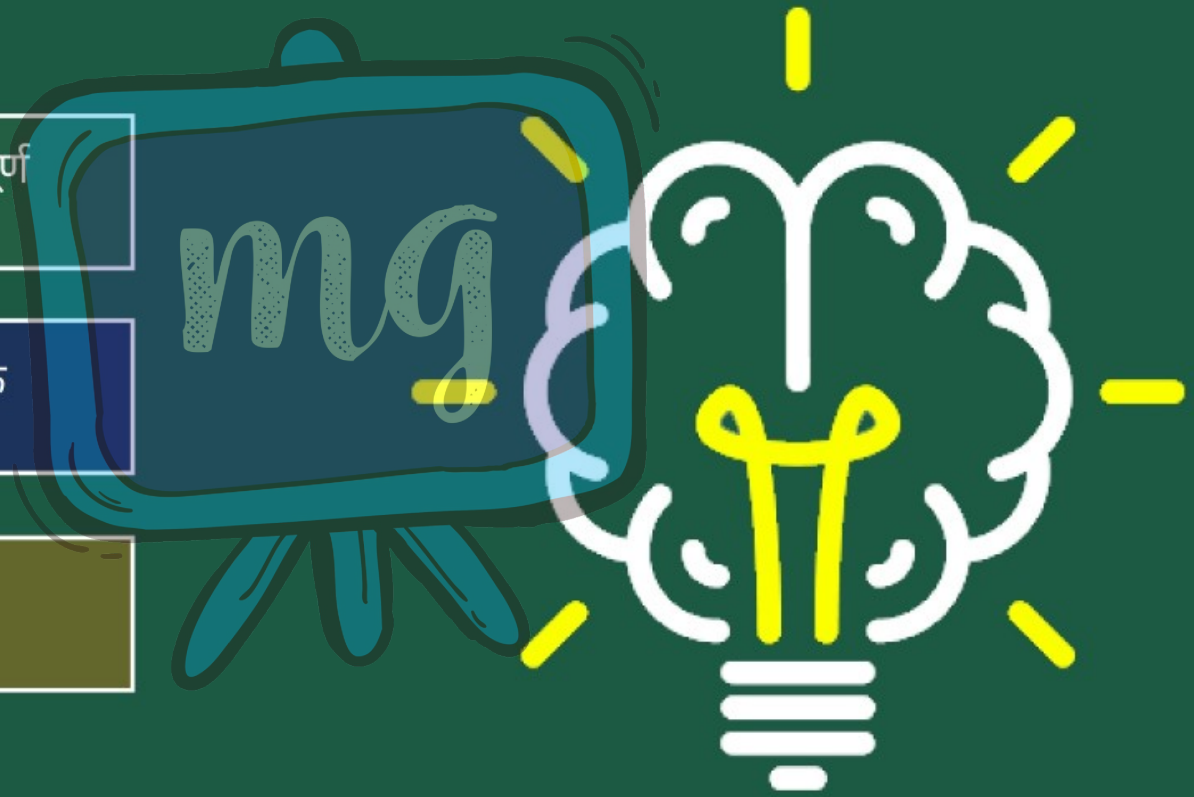
- जो इस घटना के बाद पेरिस कम्यून और मुक्ति संघर्ष का प्रतीक बन गया।
- इस गीत को मूलतः 1792 में युद्ध गीत के रूप में लिखा गया था।

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcomes)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1. उन्नीसवीं शताब्दी की महत्वपूर्ण राजनीतिक परम्पराएँ
2. औद्योगीकरण और सामाजिक परिवर्तन
3. समाजवादी विचारधारा



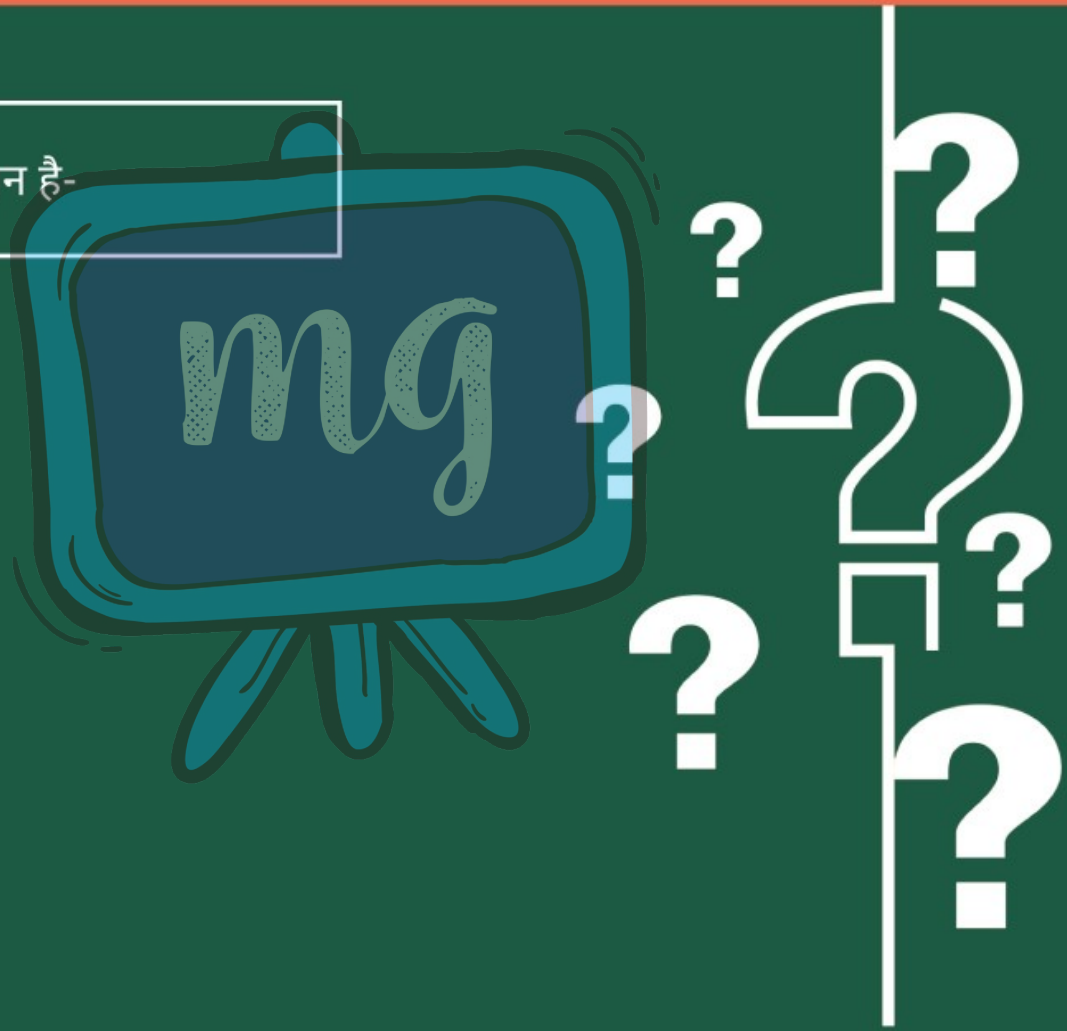
1 उदारवादियों के बारे में असत्य कथन है-

अ वे समाज परिवर्तन के समर्थक थे।

ब वे सभी धर्मों का सम्मान चाहते थे।

स वे अनियंत्रित सत्ता के विरोधी थे।

द यह समूह लोकतंत्रवादी था।



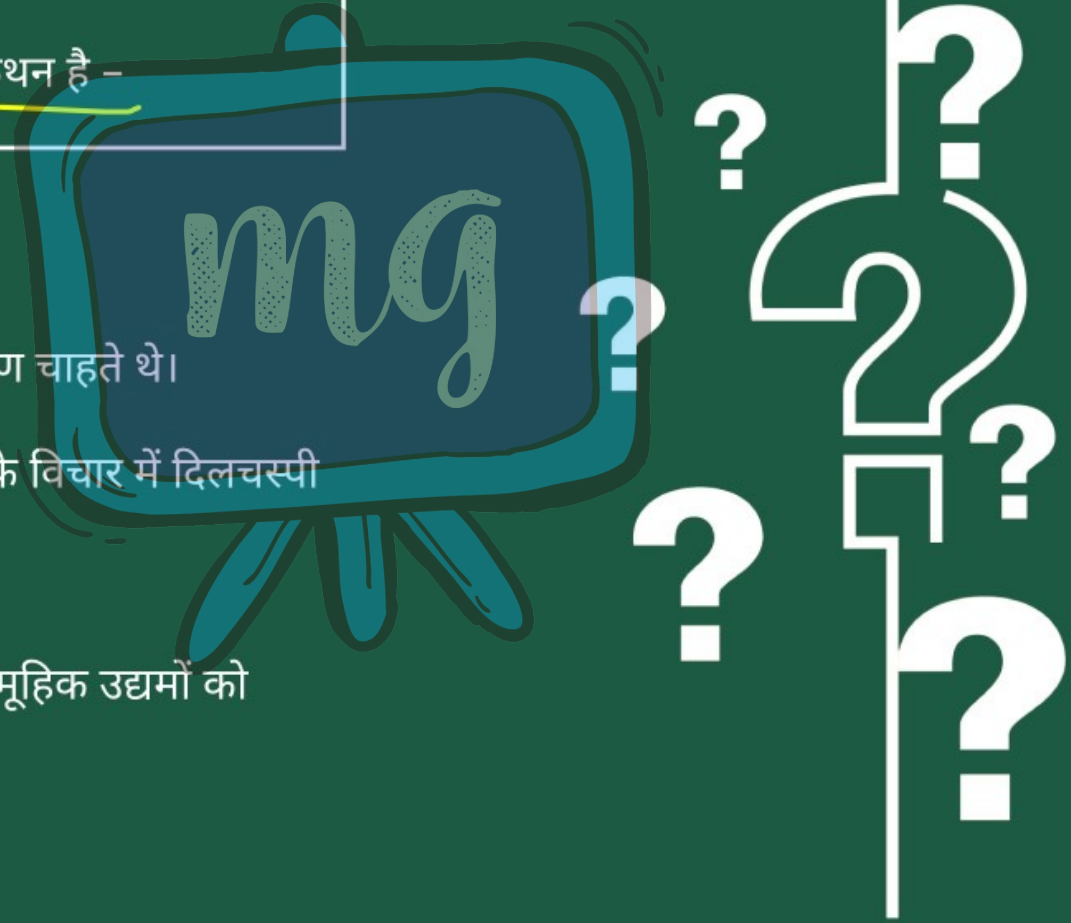
2 समाजवादियों के बारे में असत्य कथन है –

अ वे निजी सम्पत्ति के विरोधी थे।

ब वे सम्पत्ति पर पूरे समाज का नियंत्रण चाहते थे।

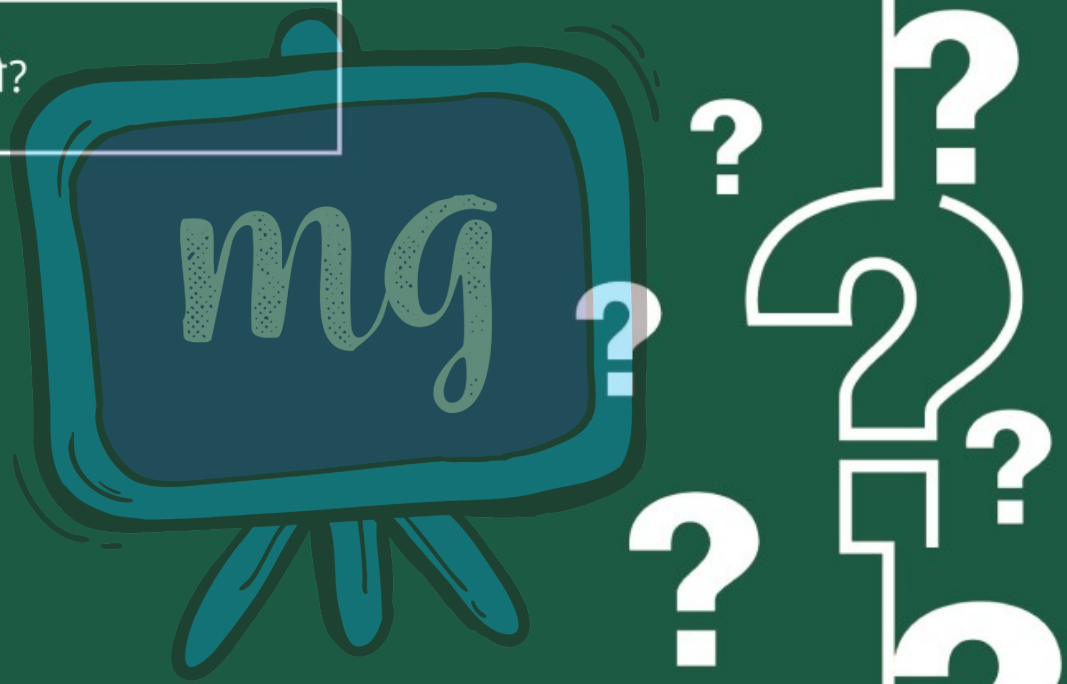
स समाजवादियों को सामूहिक उद्यम के विचार में दिलचस्पी नहीं थी।

द लुई ब्लांक चाहते थे कि सरकार सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा दे।



3 | गिसेप्पे मेज़िनी कहाँ के राष्ट्रवादी थे?

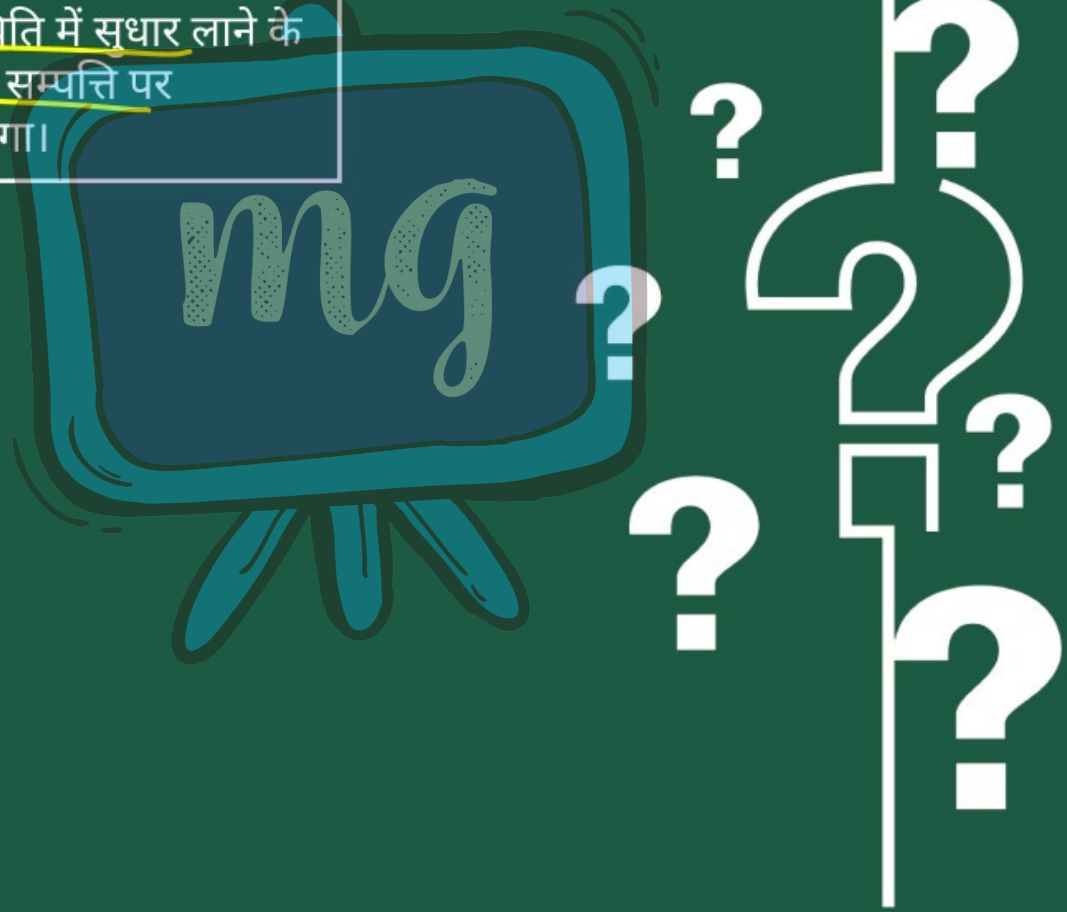
- अ ✓ इटली
- ब अफ्रीका
- स भारत
- द आस्ट्रेलिया



4 कार्ल मार्क्स के अनुसार अपनी स्थिति में सुधार लाने के लिए मजदूरों को पूँजीवाद व निजी सम्पत्ति पर आधारित शासन उखाड़ फेंकना होगा।

अ सही

ब गलत



5 | कार्ल मार्क्स की राय में .... ही भविष्य का समाज होगा।

कम्युनिस्ट समाज

